Exam. Code: 0010
Sub. Code: 0752

1059

B.A./B.Sc.(Hons.)-6th Semester

Sanskrit

Paper-IV

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोट: सुन्दर, संक्षिप्त एवं सारगर्भित लिखें। उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

-*-*-*-

प्रश्न–1: निम्नलिखित मंत्रों में से **किन्हीं चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: –

(क) स्वर्गे लोके न भयं किंचनास्ति, न तत्र त्वं न जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वाशनायापिपासे, शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

(ख) शतायुष: पुत्रपौत्रान् वृणीष्व, बहून पशून हस्तिहिरण्यमश्वान।
भूमेर्महदायतनं वृणीष्व, स्वयं च जीव शरदो यावदिच्छसि।।

(ग) दूरमेते विपरीते विषूची, अविद्या या च विद्येति ज्ञाता।
विद्याभीप्सिनं नचिकेतसं मन्ये, न त्वा कामा बहवोऽलोलुपन्त।।

(घ) सर्वे वेदा यत् पदमामनन्ति, तपाँसि सर्वाणि च यद वदन्ति।
यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्य चरन्ति, तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्।।

(ड.) यस्तु विज्ञानवान् भवति समनस्क: सदा शुचि:।
स तु तप्पदमान्योति यस्माद् भूयो न जायते।।

(च) उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।
क्षुरस्य धारा निशिता युरत्यया दुर्गं पथस्तत्कवयो बदन्ति।। (4×10)

प्रश्न–2: नचिकेता द्वारा यमराज से मांगे गए तीन वरों का वर्णन कीजिए।

अथवा

यमराज ने नचिकेता को आत्मविद्या विषयक क्या उपदेश दिया। (1×20)

प्रश्न–3: निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:–

(क) सामवेद का परिचय देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ख) ऋग्वेद का वर्ण्य विषय लिखिए।

(ग) शतपथ–ब्राहमण का प्रतिपाद्य विषय क्या है?

(घ) ईशोपनिषद का सार अपने शब्दों में लिखिए। (2×15)

-*-*-*-